Report on One-Day Workshop on Developing E-Learning Materials

<Under the Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching Scheme>

Date of Event : February 15, 2021

Venue : Online

Paste the JPEG Image of Event Brochure
(Size of the Photo 4 inch x 6 inch)

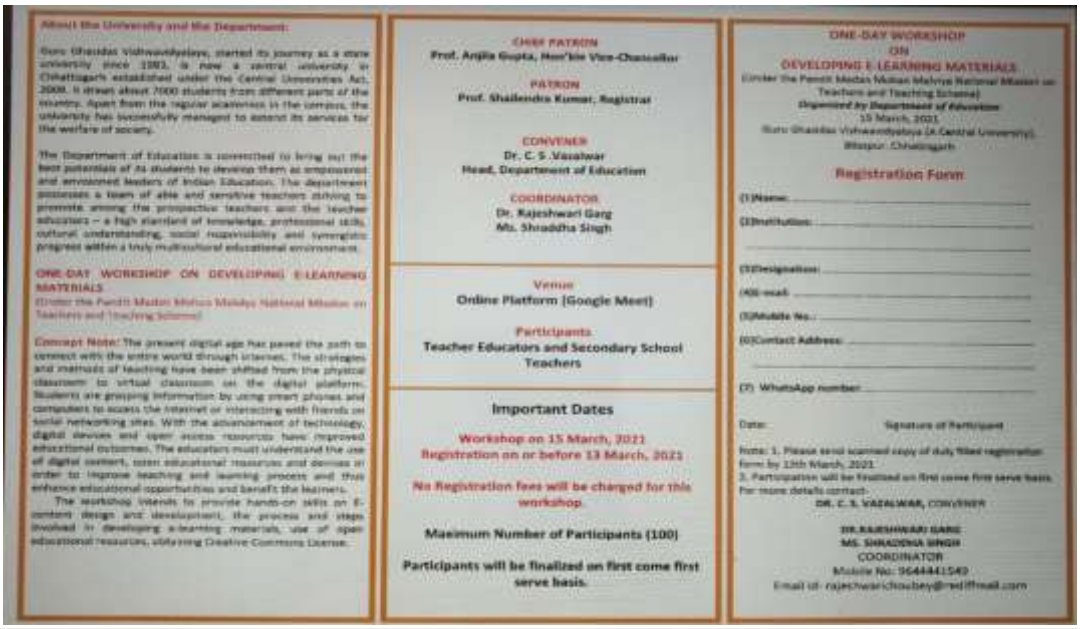

<Caption of the Image>

Details of Event Proceedings

Date (DD-MM-YYYY)	Details of the Session	Details of Resource Person	Number of Participants
15-03-2021	Inaugural Session Workshop Session Valedictory Session	Dr. PatanjaliMishra Assistant Professor School of Education Vardhman Mahaveer Open University, Kota, Rajasthan,324010	100

A Brief Abstract of the Event (Maximum 500 Words):

एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "डेवलपिंग इ-लर्निंग मटेरियल"

दिनांक 15 मार्च , 2021 को शिक्षा विभाग में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंगयोजना के अंतर्गत एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला "डेवलपिंग इ-लर्निंग मटेरियल"का आयोजन किया गया | इस कार्यशाला में लगभग 100 सेकेंडरी स्कूल शिक्षक एवंशिक्षक प्रशिक्षक, प्रतिभागी के रूप में जुड़े । कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ के रूप मेंवर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय , राजस्थान के डॉ. पतंजलि मिश्र उपस्थित रहे ।कार्यशाला के संयोजक डॉ सी.एस वझलवार एवं समन्वयक डॉ. राजेश्वरी गर्ग औरश्रद्धा सिंह रहीं । कार्यक्रम का प्रारम्भ कार्यशाला की समन्वयक श्रद्धा सिंह के स्वागत उद्बोधन से हुआ । कार्यशाला के संयोजक डॉ सी.एस वझलवार, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, ने कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य एवं महत्व को बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ, डिजिटल उपकरणों और ओपन एक्सेस संसाधनों ने शैक्षिक परिणामों में सुधार किया है। शिक्षकों को शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया कोबेहतर बनाने के लिए डिजिटल सामग्री, खुले शैक्षिक संसाधनों और उपकरणों के उपयोग को समझना चाहिए और इस प्रकार शैक्षिक अवसरों को बढ़ाना चाहिए और शिक्षार्थियों को लाभान्वित करना चाहिए। डॉ. विन्देश्वरी पवार ने प्रमुख वक्ता का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनका आभार व्यक्त किया ।इसके उपरांत डॉ.पतंजलि मिश्र ने कार्यशाला में अपने अनुभव और ज्ञान कोप्रतिपादित करते हुए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया । डॉ. मिश्र ने ई-सामग्री को विकसित करने में शामिल प्रक्रिया और चरणों की पहचान कराते हुए मुक्त शैक्षिक संसाधनों के उपयोग के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया. इसके अतिरिक्त डॉ. मिश्र ने प्रतिभागियों को यू-ट्यूब चैनल बनाना, वीडियो लेक्चर बनाना, वीडियो व्याख्यान को संपादित करना और अपलोड करना, तथा क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस प्राप्त करना सिखाया।कार्यशाला में शिक्षण को और अधिक संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से ई-सामग्री विकास करने के कौशल में लगभग 100 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया ।कार्यशाला में शिक्षा विभाग के अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के समापन में कार्यशाला की समन्वयक डॉ. राजेश्वरी गर्ग ने धन्यवाद्ज्ञापन किया ।

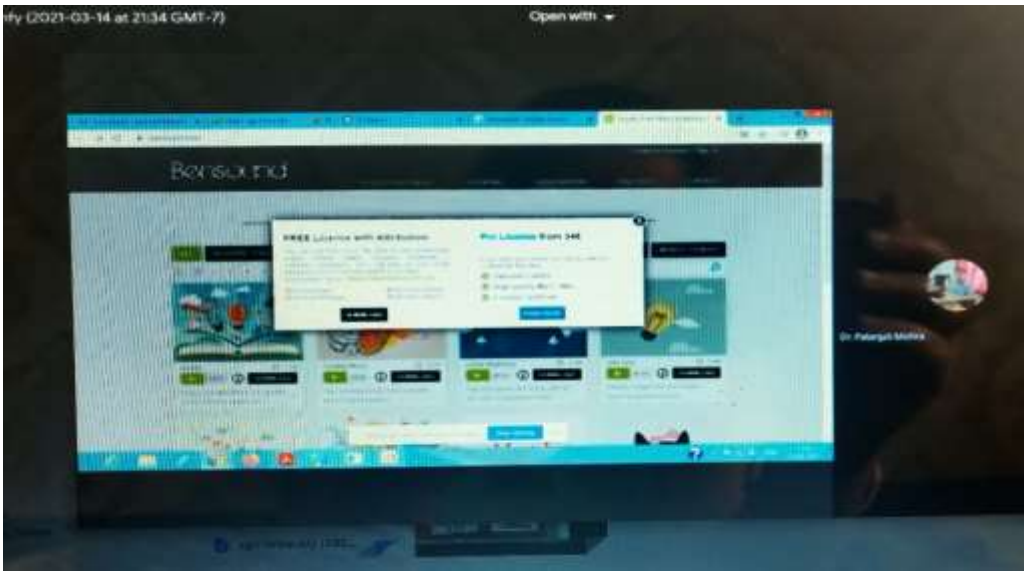

<Workshop Session, 15/03/2021>

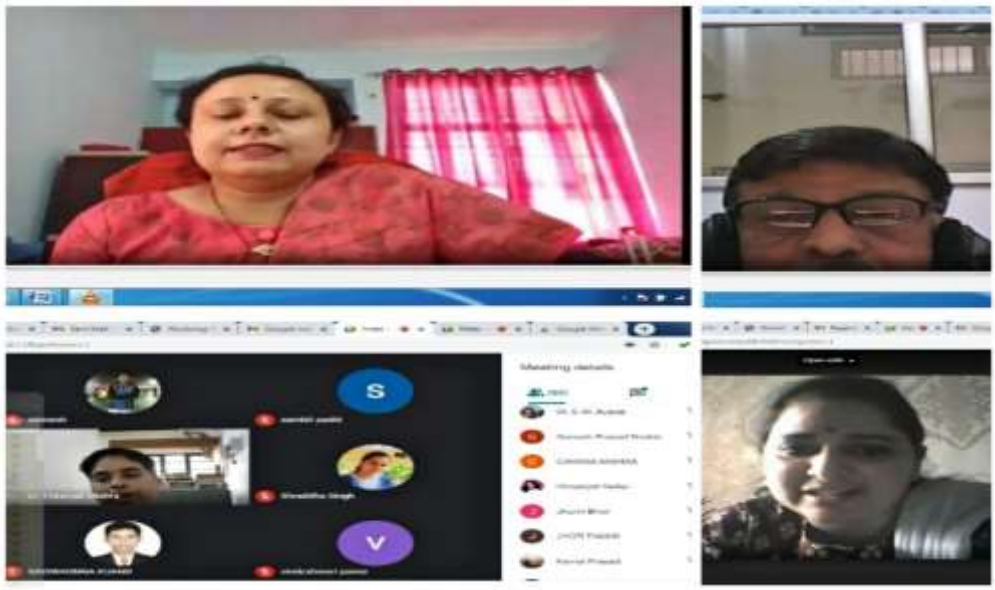

<Inaugural Session, 15/03/2021>

Head
Department of Education
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bilaspur (C.G.)